UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

🎯JRF का जलवा 🔥🏆

दर्शन - साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

UNIT=4

Daily = 6 pm

Class-37

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

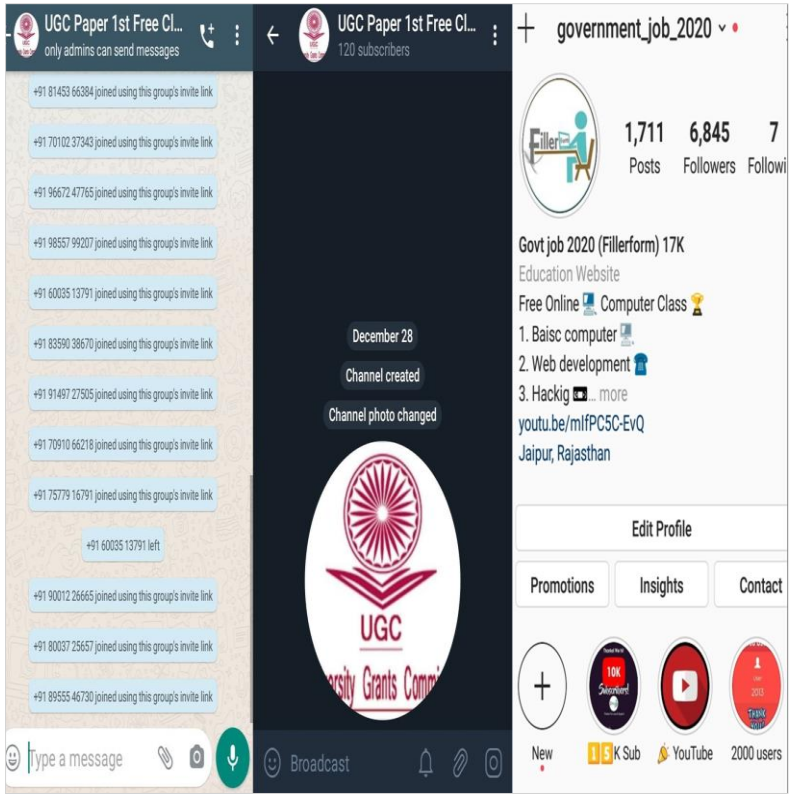
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
December 28
Channel created
Channel photo changed
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
Type a message
Broadcast
New
10K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

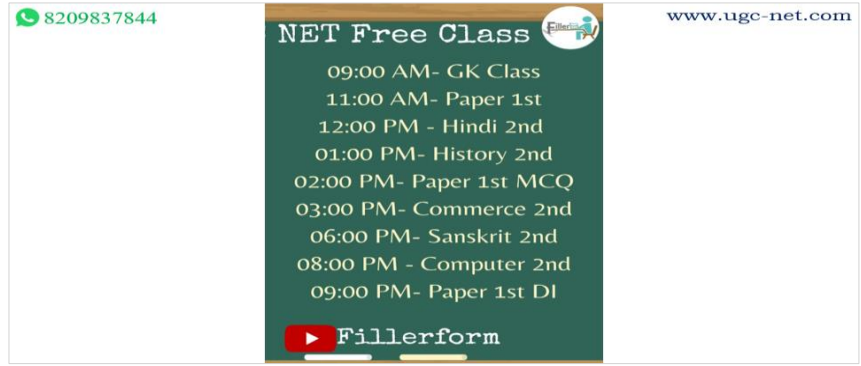
8209837844
NET Free Class
www.ugc-net.com
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
08:00 PM - Computer 2nd
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

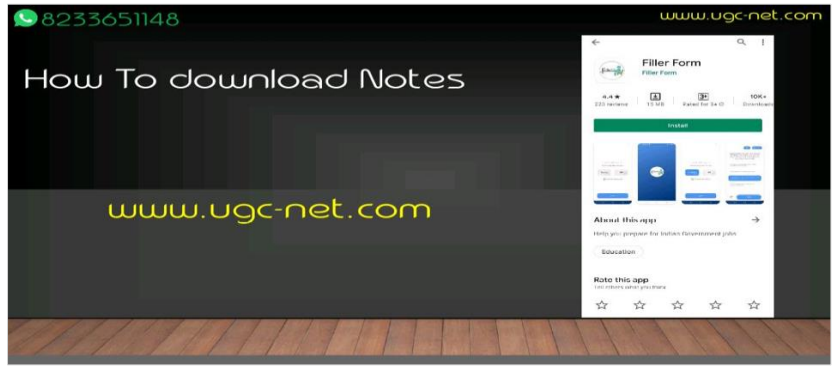
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

UGC NET PAPER = SANSKRIT...
JRF का जलवा
27 th march 2022
Google Meet
Time = 6 pm
NIDHU CHAUDHARY
B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

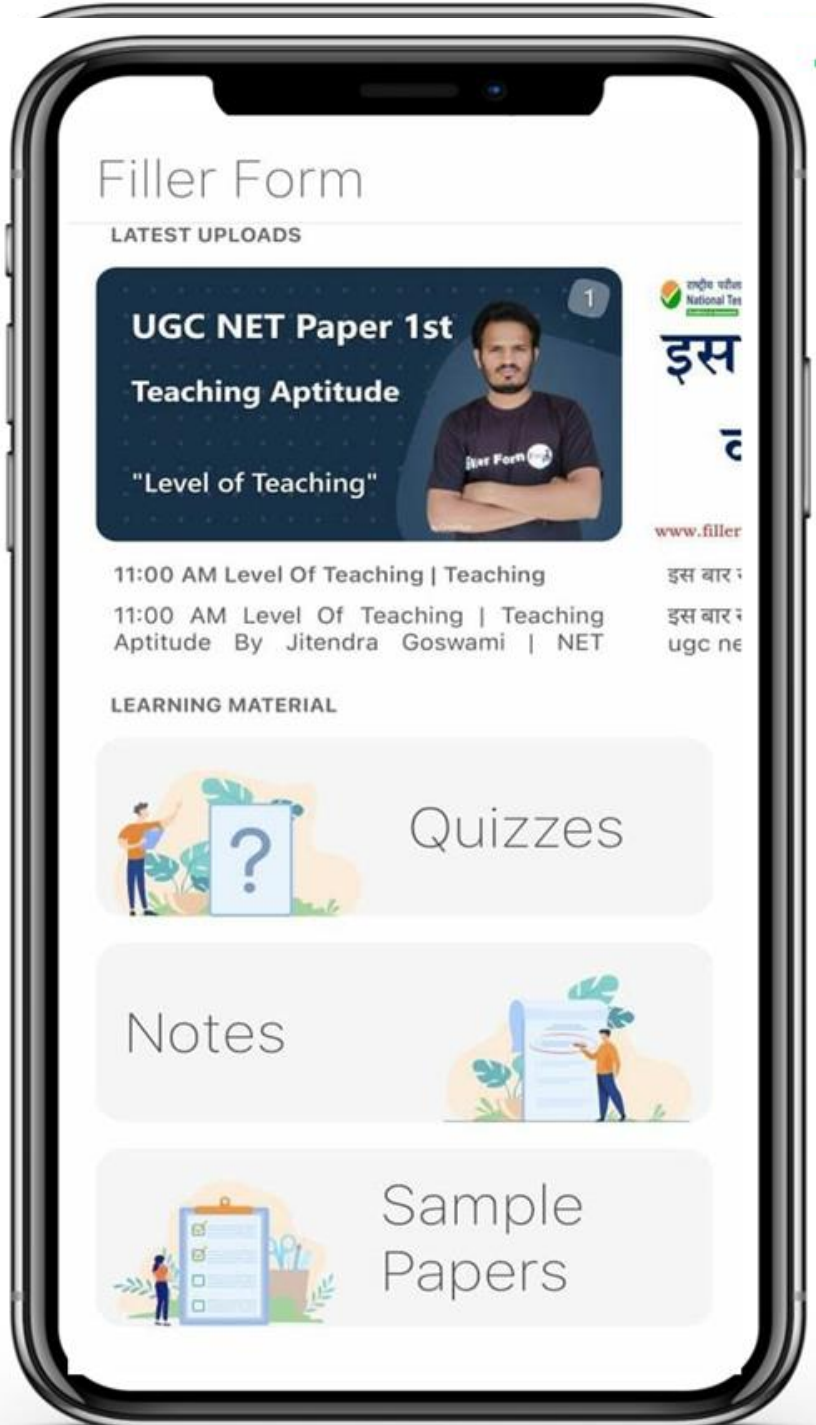

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

100% OFF

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

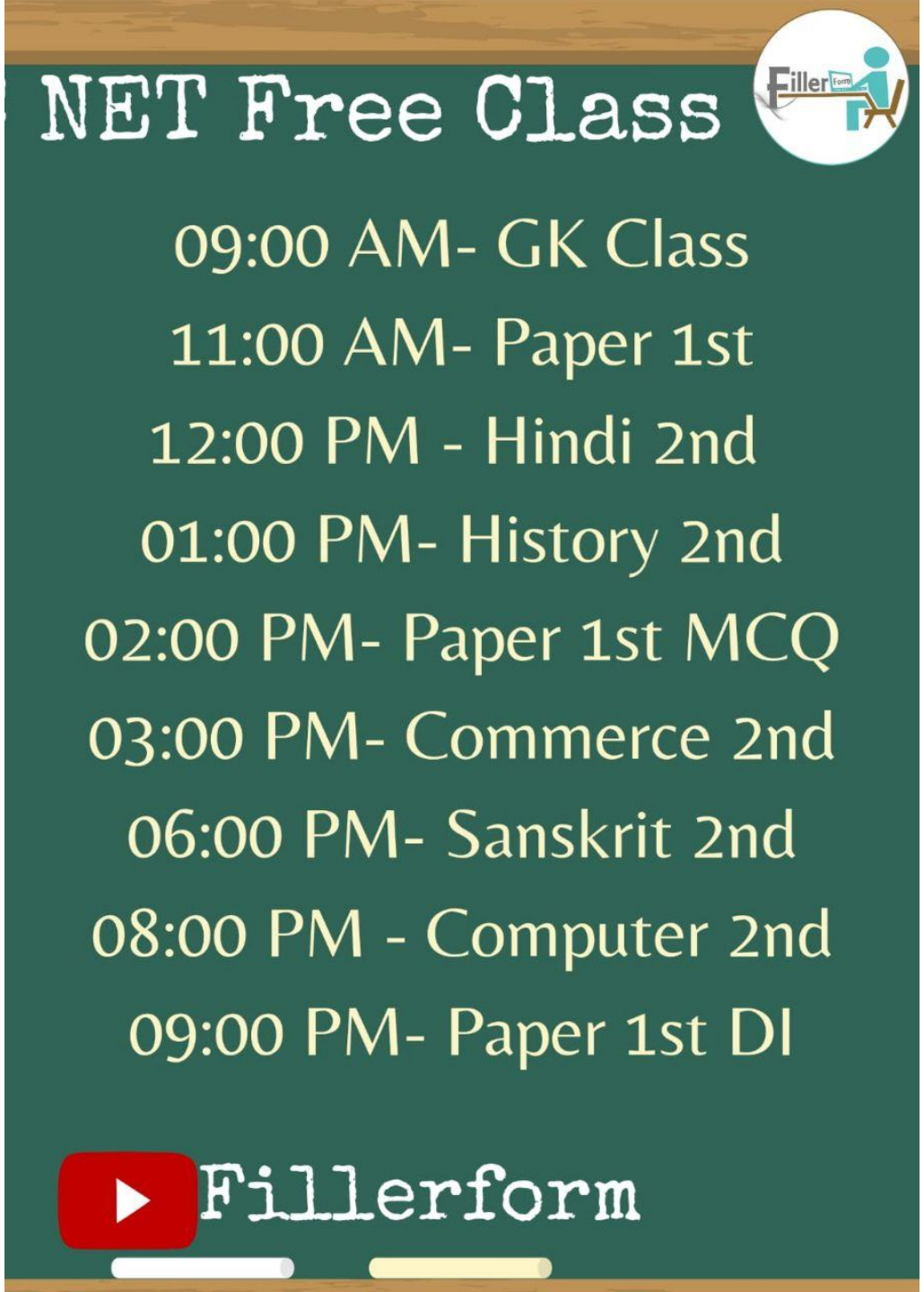

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

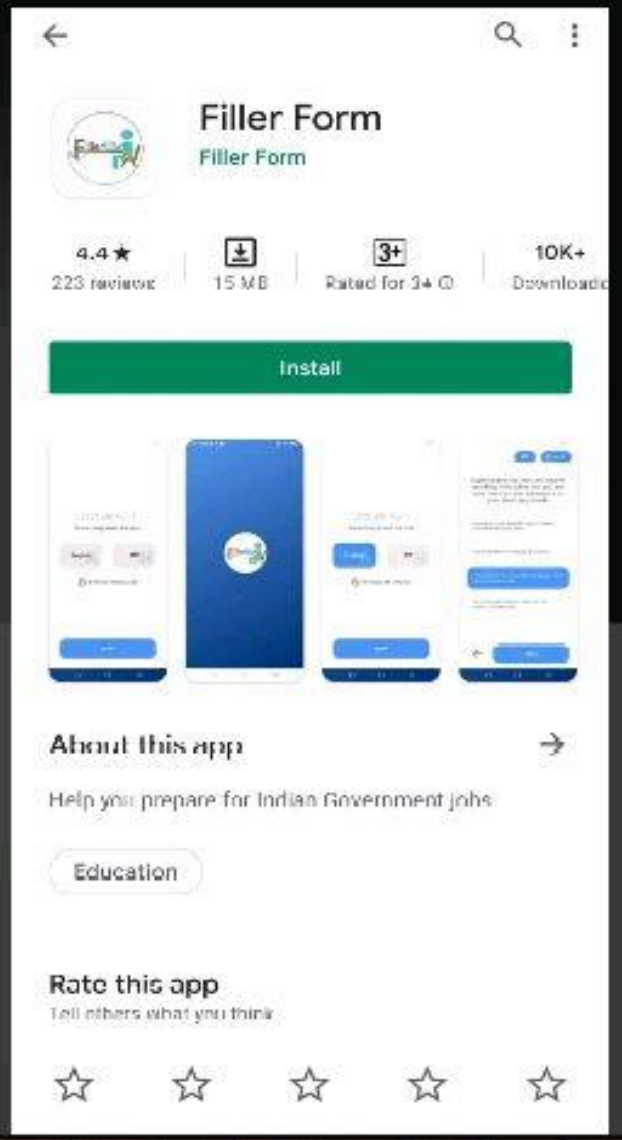

UGC NET PAPER = SANSKRIT...

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

27 th march
2022

Time =
6 pm

Google Meet

NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

Home work Answer.....

22. नयायदर्शनस्य कर्ता कः ?

(A) कपिल (B) गौतम

(C) शङ्कर (D) पतञ्जलि

23. ज्ञातविषयंज्ञानं.....

(A) प्रत्यक्षम् (B) स्मृतिः

(C) अनुवृत्तिः (D) विधिः

Today's Topic...

- मीमांसा दर्शन
- अर्थसंग्रह

8209837844 www.ugc-net.com

॥मीमांसा दर्शन॥

भारतीय दार्शनिक चिन्तन वैदिक काल से प्रारंभ होकर अद्यावधि निरन्तर प्रवाहमान है। भारतीय दर्शन में वेद की प्रमाणता को न मानने वाले दर्शनों को **'नास्तिक'** कहा गया। इसके विपरीत वेद में आस्था रखने वाले दर्शन **'आस्तिक दर्शन'** कहलाये, जिनकी संख्या 6 है। इन दर्शनों में 'मीमांसा दर्शन' का स्थान अन्यतम है। आज भी वेद, ब्राह्मणादि को समझने के अतिरिक्त अन्य शास्त्रों के ज्ञान हेतु 'मीमांसा' का आश्रय लिया जाता है। जैमिनिप्रणीत 'मीमांसा दर्शन' के पश्चात् अन्य मीमांसा ग्रंथ भी लिखे गये जिनमें **लौगाक्षिभास्कर** कृत **'अर्थसंग्रह'** का विशिष्ट स्थान है। अर्थसंग्रह में जैमिनि प्रणीत मीमांसा-दर्शन के मुख्य प्रतिपाद्यविषयों का निरूपण अत्यंत सारगर्भित शैली में प्रस्तुत किया गया है।

8209837844 www.ugc-net.com

मीमांसासूत्र इस दर्शन का मूल ग्रन्थ है जिसके रचयिता **महर्षि जैमिनि** हैं। इस दर्शन में वैदिक यज्ञों में मंत्रों का विनियोग तथा यज्ञों की प्रक्रियाओं का वर्णन किया गया है। धर्म के लिए महर्षि जैमिनि ने वेद को भी परम प्रमाण माना है। उनके अनुसार यज्ञों में मंत्रों के विनियोग, श्रुति, वाक्य, प्रकरण, स्थान एवं समाख्या को मौलिक आधार माना **मीमांसा दर्शन** छः दर्शनों में से एक है। इस शास्त्र को **'पूर्वमीमांसा'** और वेदान्त को **'उत्तरमीमांसा'** भी कहा जाता है। पूर्ममीमांसा में **धर्म** का विचार है और उत्तरमीमांसा में **ब्रह्म** का। अतः पूर्वमीमांसा को **धर्ममीमांसा** और उत्तर मीमांसा को **ब्रह्ममीमांसा** भी कहा जाता है। जैमिनि मुनि द्वारा रचित सूत्र होने से मीमांसा को **'जैमिनीय धर्ममीमांसा'** कहा जाता है। पक्ष-प्रतिपक्ष को लेकर वेदवाक्यों के निर्णीत अर्थ के विचार का नाम मीमांसा है।

8209837844 www.ugc-net.com

मीमांसा दर्शन में भारतवर्ष के मुख्य प्राणधन धर्म का वर्णाश्रम व्यवस्था, आधानादि, अश्वमेधांत आदि विचारों का विवेचन किया गया है। प्राय: विश्व में ज्ञानी और विरक्त पुरुष सर्वत्र होते आए हैं, किंतु धर्माचरण के साक्षात् फलवेत्ता और कर्मकांड के प्रकांड विद्वान् भारतवर्ष में ही हुए

8209837
v.ugc-net.com

हैं। इनमें कात्यायन, आश्वलायन, आपस्तम्ब, बोधायन, गौतम आदि महर्षियों के ग्रन्थ आज भी उपलब्ध हैं। (कर्मकांड के विद्वानों के लिए उपनिषदों में महाशाला, श्रोत्रियाः, यह विशेषण प्राप्त होता है)। भारतीय कर्मकांड सिद्धांत का प्रतिदान और समर्थन इसी दर्शन में प्राप्त होता है। **डॉ॰ कुंनन्** राजा ने **"बृहती"** के द्वितीय संस्करण की भूमिका में इसका समुचित रूप से निरूपण किया है। यद्यपि कणाद मुनि कृत वैशेषिक दर्शन में धर्म का नामतः उल्लेख प्राप्त होता है तथापि उसके विषय में आगे विचार नहीं किया गया है।

मीमांसा = विचार ''मन धातु'', मीमांसा = वाक्यार्थ विचार। जिज्ञासा मीमांसा दोनों समानार्थी है। **पदवाक्य प्रमाणज्ञ** - व्याकरण, मीमांसा, न्याय ।

8209837844

ww.ugc-net.com

॥अर्थसङ्ग्रहः॥

'अर्थसंग्रह' मीमांसा का एक लघुकाय प्रकरण ग्रन्थ है, जिसमें **शाबरभाष्य** में प्रतिपादित बहुत से विषयों का अतिसंक्षेप में निरूपण है। संक्षेप में अधिकतम विषयों को प्रस्तुत करने के कारण इस ग्रन्थ का प्रचार जिज्ञासु-सामान्य में अत्यधिक हुआ और उपयोगी होने पर भी अनेक प्रकरण ग्रन्थ इतने प्रचलित हो सके। इसके रचनाकार **लौगाक्षिभास्कर** हैं। इस ग्रन्थ में निम्नलिखित विषयों का मुख्यतः विवेचन हुआ है-

1. धर्म तथा उसका लक्षण।
2. भावना का लक्षण तथा उसके दो भेद।
3. वेद का लक्षण तथा उसके विभाग।
4. विधि का लक्षण तथा उसके प्रकार।

पूर्व मीमांसा दर्शन= प्रवर्तक- जैमिनी, **विषय-** कर्मकाण्ड, **अर्थसंग्रहः-** लौगाक्षिभास्कर, लौगाक्षिभास्कर के पिता – **मुद्गल**।

8209837844 ugc-net.com

॥मङ्गलाचरणम्॥

"वासुदेवं रमाकान्तं नत्त्वा लौगाक्षिभास्करः ।
कुरुते जैमिनिनये प्रवेशायार्थसङ्ग्रहम्" ॥

लौगाक्षिभास्कर लक्ष्मीप्रिय विष्णु को प्रणाम करके वेद वेदाङ्ग का अध्ययन करके धर्म में जिज्ञासा करने वालों के जैमिनिप्रणीत मीमांसा दर्शन में प्रवेश हेतु 'अर्थसङ्ग्रह' नामक ग्रन्थ की रचना करते हैं ।

धर्मजिज्ञासा सूत्र-

"अथातो धर्मजिज्ञासा"

अथ- **'वेदाध्ययनानन्तर्यवचनः'**। (यहाँ पर अथ शब्द वेदाध्ययन के आनन्तर्य का वाचक है।)

अतः- **'वेदाध्ययनस्य दृष्टार्थत्वं'** । (अतः शब्द वेदार्थज्ञानरूप दृष्ट

8209837841 ugc-net.com

प्रयोजन को बताता है ।

धर्मजिज्ञासा- धर्मस्य जिज्ञासा (षष्ठी तत्पुरुष समास) अत्र जिज्ञासा पदस्य विचारे लक्षणा- यहाँ पर 'जिज्ञासा' पद के विचार में लक्षणा की गई है ।

धर्म लक्षण-

"यागादिरेव धर्मः। वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः"

यागादि ही धर्म हैं । जो वेद द्वारा प्रतिपादित हो, प्रयोजन वाला हो और अर्थ हो उसी को धर्म कहते हैं ।

धर्म के तीन रूप-

1. वेदप्रतिपाद्यः 2. प्रयोजनवद् 3. अर्थः।

8209837844

www.ugc-net.com

पदकृत्य-

'प्रयोजनवत्'-"प्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणाय"। इस लक्षण में **'प्रयोजनवत्'** शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया है कि इस पद को न देने से 'स्वर्गादिरूप प्रयोजन' (अर्थ) में **'अतिव्याप्ति'** होने लगेगी ।

'वेदप्रतिपाद्यः'- "भोजनादावतिव्याप्तिवारणाय" । 'भोजनादि' में 'अतिव्याप्ति' के निवारणार्थ **'वेदप्रतिपाद्य'** शब्द दिया गया है ।

'अर्थः'- "अनर्थफलकत्वादनर्थभूते श्येनादावतिव्याप्तिवारणाय" । **'अर्थ'** पद नहीं देने से अनर्थभूत 'श्येनादि याग' में 'अतिव्याप्ति' होगी।

महर्षि जैमिनि ने अपने सूत्र में धर्म का लक्षण किया है-

"चोदनालक्षणोऽर्थोधर्मः"

जैमिनि सूत्र में 'चोदना' पद सम्पूर्ण वेद के वाचक रूप में प्रयुक्त है। चोदना प्रकरण पठित समस्त वेदों के धर्म में तात्पर्य होने से समस्त वेद धर्मप्रतिपादक ही है ।

8209837844 www.ugc-net.com

विधिवाक्य विधायकत्व प्रकार-

"यजेत स्वर्गकाम:"।

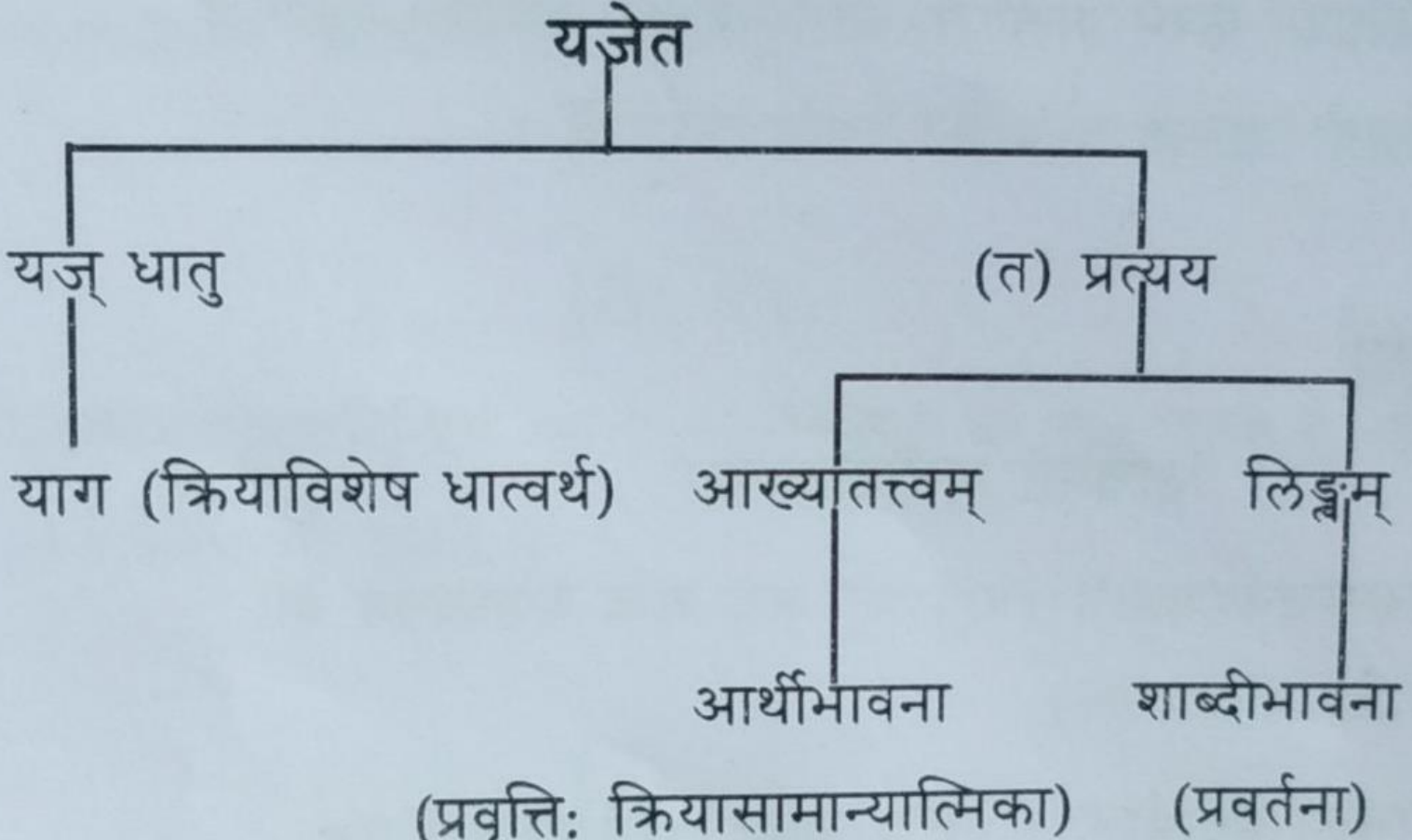

Next class....

अर्थसंग्रह

Next class....

✸ भावना के भेद ✸

१. शाब्दीभावना
२. आर्थीभावना

Home work Question....

24. कस्मिन् ग्रन्थे प्राधान्येन षोडशपदार्थाः प्रतिपाद्यन्ते?

(A) सांख्यकारिकायाम्
(B) तर्कभाषायाम्
(C) वेदान्तसारे
(D) तर्कसंग्रहे

25. स्मृतिव्यतिरिक्तं ज्ञानं किम् -

(A) स्मृतिः
(B) अनुभवः
(C) ज्ञानम्
(D) अज्ञानम्

FEEDBACK

- आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 📑 📝

For More Information....

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

जिसने भी खुद को खर्च किया है,
DUNIYA ने उसी को GOOGLE पर SEARCH किया है।।
www.fillerform.com
fillerform
2

THANK YOU